कार्यालय कलेक्टर (भू–अभिलेख) जिला रीवा (म0प्र0)

कमांक / /18भू–अभि0 / कम्प्यू0 / 2011 रीवा, दिनांक

प्रति,

आयुक्त
भू–अभिलेख एवं बन्दोबस्त
म0प्र0 ग्वालियर

विषयः– भूमि नक्शों के डिजिटाईजेशन कार्य के अन्तर्गत भू–नक्शा साफ्टवेयर में कम्प्यूटरीकृत खसरा तथा डिजिटाईज्ड नक्शों को लिंक कर दिनांक 01 जनवरी 2012 से एकीकृत खसरा नक्शा की प्रतियॉ देने बावत।

संदर्भः– आपका पत्र कमांक 646 / 9कम्प्यूटर / 2011 ग्वालियर दिनांक 05.12.2011

संदर्भित निर्देश के अनुपालन में रीवा जिले में भूमि नक्शों के डिजिटाईजेशन कार्य के अन्तर्गत, भू–नक्शा साफ्टवेयर में कम्प्यूटरीकृत खसरा तथा डिजिटाईज्ड नक्शों को तहसील के डाटा सेन्टरों में **installed** (स्थापित) कराया जाकर कार्यालयीन पत्र कमांक 1492 / 18भू–अभि0 / कम्प्यू0 / 2011 रीवा, दिनांक 26.12.2011 द्वारा तहसीलदारों को तहसील स्तर पर 01 जनवरी 2012 से एकीकृत कम्प्यूटराईज खसरा, नक्शों की प्रतियॉ कृषकों को प्रदाय किये जाने हेतु निर्देशित किया जा चुका है (कार्या0 पत्र की छायाप्रति सुलभ संदर्भ हेतु संलग्न है)।

01 जनवरी 2012 से रीवा जिले के भूमिधारकों को एकीकृत कम्प्यूटराईज खसरा, नक्शों की प्रतियॉ प्रदाय किये जाने के सम्बन्ध में प्रचार–प्रसार हेत सचना सभी समाचार पत्रों के माध्यम से प्रकाशित कराई गई है। (दिनांक 29 दिसम्बर 2011 को प्रकाशित 06 समाचार पत्रों की कटिंग की छाया प्रतियॉ अवलोकनार्थ संलग्न सम्प्रेषित है)।

संलग्नः–1 / कार्या0 पत्र कमांक 1492 दिनांक 26.12.2011
2 / दिनांक 29 दिसम्बर 2011 को प्रकाशित छः समाचार पत्रों की कटिंग।

Dy. Collector
कलेक्टर
For Collector Rewa
जिला रीवा (म0प्र0)

पृ0कमांक / 1523 / 13भू–अभि0 / कम्प्यू0 / 2011 रीवा, दिनांक 31/12/2011

प्रतिलिपिः–

1 / कमिश्नर रीवा, संभाग रीवा की ओर सादर सूचनार्थ सम्प्रेषित।
2 / उप आयुक्त भू–अभिलेख रीवा, संभाग रीवा, को सूचनार्थ ।

Dy. Collector
कलेक्टर
For Collector Rewa
जिला रीवा (म0प्र0)

एक ही पृष्ठ पर मिलेगी खसरे व नक्शे की नकल

आगामी 1 जनवरी से जिले के किसानों को एक ही पृष्ठ पर खसरे और नक्शों की नकलें कम्प्यूटरीकृत स्वरूप में प्रदाय की जाएगी।

स्टार समाचार | रीवा

कलेक्टर एसएन रूपला ने जिले के सभी तहसीलदारों को इस आशय के निर्देश जारी करते हुए कहा है कि इस कार्य में व्यक्तिगत रुचि लेकर कार्रवाई करें। उन्होंने बताया कि भूमि नक्शों के डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा किया जा चुका है। इसी के पश्चात एकीकृत खसरा-नक्शा देने का कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर एसएन रूपला ने बताया है कि रीवा जिले में भूमि नक्शों के डिजिटाइजेशन का कार्य विशेष प्राथमिकता देकर पूरा कराया गया है। यह व्यवस्था लागू हो जाने के पश्चात पटवारियों से हस्तलिखित पट्टे जमा करवा लिए जावेंगे। इस हेतु भी सभी तहसीलदारों को जरूरी निर्देश दिए जा चुके है। सभी तहसीलों के लिए वारंटी अवधि दिसम्बर 2011 से आरंभ हो चुकी है। इसी प्रकार सभी तहसीलों में पदस्थ

जूनियर डाटा ऐन्ट्री आपरेटर, डाटा ऐन्ट्री आपरेटर या कम्प्यूटर प्रशिक्षित पटवारियों को भू-नक्शा साफ्टवेयर का प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। कलेक्टर श्री रूपला ने बताया कि उक्त प्रशिक्षित कर्मचारी अपनी-अपनी तहसीलों में पूर्व में जारी निर्देशों के अनुरूप नक्शा संशोधन पंजी के आधार पर सतत रूप से डाटा अद्यतन करेंगे। कलेक्टर श्री रूपला ने बताया है कि भू-धारक किसानों को नक्शा खसरे की कम्प्यूटराइज नकल प्रदान करने की व्यवस्था करना शासन का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। इससे किसानों को पटवारियों पर निर्भरता कम होगी। साथ ही भूमि का सही-सही रिकार्ड भी रखा जा सकेगा। नये वर्ष की पहली तारीख से शुरू होने जा रहे इस अभियान में किसानों को एक बड़ी सुविधा मिलने जा रही है। जिसके लिए सभी आवश्यक तैयारी पूरी कर ली गई है।

स्टार समाचार-पत्र

दिनांक 29 दिसम्बर 2011

जारी कर दी गई है।

पाइप लाइन डालने के लिए हुई खुदाई

नए साल से मिलेगी कम्प्यूटरीकृत नकल

भास्कर न्यूज, रीवा

आगामी एक जनवरी से जिले के किसानों को एक ही पृष्ठ पर खसरे और नक्शों की नकलें कम्प्यूटरीकृत स्वरूप में प्रदाय की जाएगी। कलेक्टर एसएन रूपला ने जिले के सभी तहसीलदारों को इस आशय के निर्देश जारी करते हुए कहा कि इस कार्य में व्यक्तिगत रुचि लेकर कार्यवाई करें। उन्होंने बताया कि भूमि नक्शों के डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा किया जा चुका है। इसी के पश्चात एकीकृत खसरा नक्शा देने का कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने बताया कि जिले में भूमि-नक्शों के डिजिटाइजेशन का कार्य विशेष प्राथमिकता देकर पूरा कराया गया है। यह व्यवस्था लागू हो जाने के पश्चात पटवारियों से हस्तलिखित पट्टे जमा करवा लिये जाएंगे। इस हेतु भी सभी तहसीलदारों को जरूरी निर्देश दिए जा चुके हैं। सभी तहसीलों के लिये वारंटी अवधि दिसम्बर से आरम्भ हो चुकी है। इसी प्रकार सभी तहसीलों में पदस्थ जूनियर डाटा ऐन्ट्री आपरेटर, या कम्प्यूटर प्रशिक्षित पटवारियों को भू-नक्शा साफ्टवेयर का प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है।

कलेक्टर ने बताया कि उक्त प्रशिक्षित कर्मचारी अपनी-अपनी तहसीलों में पूर्व में जारी निर्देशों के अनुरूप नक्शा संशोधन पंजी के आधार पर सतत रूप से डाटा अद्यतन करेंगे। कलेक्टर ने बताया कि भू-धारक किसानों को नक्शा खसरे की कम्प्यूटराइज नकल प्रदान करने की व्यवस्था करना शासन की महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। इससे किसानों की पटवारियों पर निर्भरता कम होगी साथ ही भूमि का सही-सही रिकार्ड भी रखा-जा सकेगा।

दैनिक भास्कर

दिनांक 29 दिसम्बर 2011

पाटा है जिसने सिद्धांतों से रहे.

किसानों को मिलेंगे एक ही पृष्ठ में नक्शे

नक्शे सहित खसरे की नकल होगी कम्प्यूटरीकृत

ना, 28 दिसम्बर, नव. सं. गामी एक जनवरी से जिले के सानों को एक ही पृष्ठ पर सरे और नक्शों की नकलें प्यूटरीकृत स्वरूप में प्रदाय जायेगी.

कलेक्टर एस.एन. रूपला ने ले के सभी तहसीलदारों को इस शय के निर्देश जारी करते हुये ा है कि इस कार्य में व्यक्तिगत त लेकर कार्यवाही करें. उन्होंने या कि भूमि नक्शों के जटाइजेशन का कार्य पूरा किया चुका है. इसी के पश्चात ीकृत खसरा नक्शा देने का शुरू करने के निर्देश दिये गये है. कलेक्टर एस.एन. रूपला ने बताया है कि रीवा जिले में भूमि नक्शों के डिजिटाईजेशन का कार्य विशेष प्राथमिकता देकर पूरा कराया गया है. यह व्यवस्था लागू हो जाने के पश्चात पटवारियों से हस्तालिखित पट्टे जमा करवा लिये जायेंगे.

इस हेतु भी सभी तहसीलदारों को जरूरी निर्देश दिये जा चुके है. सभी तहसीलों के लिये बारंटी अवधि दिसम्बर 2011 से आरंभ हो चुकी है. इसी प्रकार सभी तहसीलों में पदस्थ जूनियर डाटा इन्ट्री आपरेटर, डाटा इन्ट्री आपरेटर या कम्प्यूटर प्रशिक्षित पटवारियों को भूनक्शा सापटवेयर का प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है. कलेक्टर श्री रूपला ने बताया कि उक्त प्रशिक्षित कर्मचारी अपनी-अपनी तहसीलों में पूर्व में जारी निर्देशों के अनुरूप नक्शा संशोधन पंजी के आधार पर सतत रूप से डाटा अद्यतन करेंगे. कलेक्टर श्री रूपला ने बताया है कि भू धारक किसानों को नक्शा खसरे की कम्प्यूटराज नकल प्रदान करने की व्यवस्था करना शासन का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है. इससे किसानों की पटवारियों पर निर्भरता कम होगी. साथ ही भूमि का सही-सही रिकार्ड में रखा जा सकेगा.

नव भारत

दिनांक 29 दिसम्बर 2011

विंध्य भारत

दिनांक 29 दिसम्बर 2011

अब जमीन के खसरा नक्शे मिलेंगे कम्प्यूटरीकृत

रीवा। आगामी एक जनवरी से जिले के किसानों को एक ही पृष्ठ पर खसरे और नक्शों की नकलें कम्प्यूटरीकृत स्वरूप में प्रदाय की जायेंगी। कलेक्टर एस.एन. रूपला ने जिले के सभी तहसीलदारों को इस आशय के निर्देश जारी करते हुए कहा है कि कार्य में व्यक्तिगत रूचि लेकर कार्रवाई करें। उन्होंने बताया कि भूमि नक्शों के डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा किया जा चुका है। इसी के पश्चात एकीकृत खसरा- नक्शा देने का कार्य शुरू करने के निर्देश दिये गये हैं। कलेक्टर एस.एन. रूपला ने बताया है कि रीवा जिले में भूमि-नक्शों के डिजिटाईजेशन का कार्य विशेष प्राथमिकता देकर पूरा कराया गया है। यह व्यवस्था लागू हो जाने के पश्चात पटवारियों से हस्तलिखित पट्टे जमा करवा लिये जायेंगे। इस हेतु भी सभी तहसीलदारों को जरूरी निर्देश दिये जा चुके हैं। सभी तहसीलों के लिये वारंटी अवधि दिसम्बर 2011 से आरंभ हो चुकी है। इसी प्रकार सभी तहसीलों में पदस्थ जूनियर डाटा एन्ट्री आपरेटर, डाटा एन्ट्री आपरेटर या कम्प्यूटर प्रशिक्षित पटवारियों को भू-नक्शा साफ्टवेयर का प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। कलेक्टर श्री रूपला ने बताया कि उक्त प्रशिक्षित कर्मचारी अपनी-अपनी तहसीलों में पूर्व में जारी निर्देशों के अनुरूप नक्शा संशोधन पंजी के आधार पर सतत रूप से डाटा अद्यतन करेंगे। कलेक्टर श्री रूपला ने बताया है कि भू-धारक किसानों को नक्शा खसरे की कम्प्यूटराइज नकल प्रदान करने की व्यवस्था करना शासन का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। इससे किसानों की पटवारियों पर निर्भरता कम होगी।

विंध्य भारत

दैनिक जागरण दिनांक 29 दिसम्बर 2011

अब भू-धारको को खसरा नक्शों की नकलें कम्प्यूटरीकृत मिलेंगी

जागरण, रीवा

आगामी 1 जनवरी से जिले किसानों को एक ही पृष्ठ पर खसरे और नक्शों की नकलें कम्प्यूटरीकृत स्वरूप में प्रदाय की जायेंगी। कलेक्टर एस.एन.रूपला ने जिले के सभी तहसीलदारों को इस आशय के निर्देश जारी करते हुये कहा है कि इस कार्य में व्यक्तिगत रूचि लेकर कार्रवाई करें। उन्होंने बताया कि भूमि, नक्शों के डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा किया जा चुका है। इसी के पश्चात एकीकृत खसरा-नक्शा देने का कार्य शुरू करने के निर्देश दिये गये हैं। कलेक्टर एस.एन.रूपला ने बताया है कि रीवा जिले में भूमि-नक्शों के डिजिटाईजेशन का कार्य विशेष प्राथमिकता देकर पूरा कराया गया है। यह व्यवस्था लागू हो जाने के पश्चात पटवारियों से हस्तलिखित पर्चे जमा करवा लिये जायेंगे। इस हेतु भी सभी तहसीलदारों को जरूरी निर्देश दिये जा चुके हैं। सभी तहसीलों के लिये वारंटी अवधि दिसम्बर 2011 से आरंभ हो चुकी है। इसी प्रकार सभी तहसीलों में पदस्थ जूनियर डाटा ऐन्ट्री आपरेटर, डाटा ऐन्ट्री आपरेटर या कम्प्यूटर प्रशिक्षित पटवारियों को भू-नक्शा साफ्टवेयर का प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है।

• 1 जनवरी 2012 से शुरू होगी नई व्यवस्था:कलेक्टर

कलेक्टर श्री रूपला ने बताया कि उक्त प्रशिक्षित कर्मचारी अपनी-अपनी तहसीलों में पूर्व में जारी निर्देशों के अनुसार नक्शा संशोधन पंजी के आधार पर सततरूप से डाटा अद्यतन करेंगे। कलेक्टर श्री रूपला ने बताया है कि भू धारक किसानों को नक्शा खसरे की कम्प्यूटराइज नकल प्रदान करने की व्यवस्था करना शासन का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। इससे किसानों की पटवारियों पर निर्भरता कम होगी। साथ ही भूमि का सही-सही रिकार्ड भी रखा जा सकेगा।

नव स्वदेश

दिनांक 29 दिसम्बर 2011

एक जनवरी से भू धारकों को कम्प्यूटराइज्ड नकल: कलेक्टर

रीवा (नव स्वदेश)। आगामी एक जनवरी से जिले के किसानों को एक ही पृष्ठ पर खसरे और नक्शों की नकलें कम्प्यूटरीकृत स्वरूप में प्रदाय की जायेगी। कलेक्टर एस.एन. रूपला ने जिले के सभी तहसीलदारों को इस आशय के निर्देश जारी करते हुये कहा है कि इस कार्य में व्यक्तिगत रूचि लेकर कार्रवाई करें। उन्होंने बताया कि भूमि नक्शों के डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा किया जा चुका है। इसी के पश्चात एकीकृत खसरा, नक्शा देने का कार्य शुरू करने के निर्देश दिये गये है। कलेक्टर एस.एन. रूपला ने बताया है कि रीवा जिले में भूमि नक्शों के डिजिटाईजेशन का कार्य विशेष प्राथमिकता देकर पूरा कराया गया है। यह व्यवस्था लागू हो जाने के पश्चात पटवारियों से हस्तलिखित पट्टे जमा करवा लिये जायेंगे। इस हेतु भी सभी तहसीलदारों को जरूरी निर्देश दिये जा चुके है। सभी तहसीलों के लिये बारंटी अवधि दिसम्बर 2011 से आरंभ हो चुकी है। इसी प्रकार सभी तहसीलों में पदस्थ जूनियर डाटा एण्ट्री आपरेटर, डाटा एण्ट्री आपरेटर या कम्प्यूटर प्रशिक्षित पटवारियों को भू-नक्शा सॉफ्टवेयर का प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। कलेक्टर श्री रूपला ने बताया कि उक्त प्रशिक्षित कर्मचारी अपनी-अपनी तहसीलों में पूर्व में जारी निर्देशों के अनुरूप नक्शा संशोधन पंजी के आधार पर सतत्‌रूप से डाटा अद्यतन करेंगे। कलेक्टर श्री रूपला ने बताया है कि भू धारक किसानों को नक्शा खसरे की कम्प्यूटराइज नकल प्रदान करने की व्यवस्था करना शासन का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। इससे किसानों की पटवारियों पर निर्भरता कम होगी। साथ ही भूमि का सही सही रिकार्ड भी रखा जा सकेगा।